

निर्गमित वि. (तत्.) 1. जिसका बहिर्गमन हुआ है, जिसे बाहर निकाला गया है।

निर्गमित पूँजी स्त्री. (तत्+देश.) वाणि. कंपनी की अधिकृत पूँजी का वह भाग जिसे निवेशकों द्वारा खरीदे जाने के लिए प्रस्तुत किया गया हो।

निर्गर्व वि. (तत्.) गर्वशून्य, मदरहित, निरभिमान।

निर्गामी सदस्य पुं. (तत्.) कार्यालय आदि से पदमुक्त होने वाला सदस्य।

निर्गुंडी स्त्री. (तत्.) एक झाड़ीदार क्षुप जिसका औषधीय उपयोग प्रसिद्ध है।

निर्गुट देश पुं. (तद्.+तत्) द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् निर्मित दोनों महाशक्तियों से तटस्थता का संबंध रखने वाले देश, गुट निरपेक्ष देश टि. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, सोवियत संघ और अमरीका दो महाशक्तियाँ उभर कर आईं, आवश्यकता अथवा विवशता के आधार पर विभिन्न देश इन दो महाशक्तियों में से एक के साथ जुड़ गए; भारत के प्रधान मंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति मार्शल टीटो और मिश्र के राष्ट्रपति अब्दुल गमाल नासिर के नेतृत्व में कुछ देश ऐसे भी थे जिन्होंने किसी भी महाशक्ति से इस प्रकार का नाता नहीं जोड़ा, देशों के इस वर्ग को निर्गुट देश अथवा गुटनिरपेक्ष देश कहा गया।

निर्गुण वि. (तत्.) 1. गुणों से हीन, गुणहीन 2. सत्त्व, रज तथा तम इन तीनों गुणों से रहित।

निर्गुण ब्रह्म पुं. (तत्.) सत्त्व, रज तथा तम तीनों गुणों से रहित परमात्मा, नित्य शुद्ध बुद्धिमुक्त ब्रह्म।

निर्गुन वि. (तद्.) पूर्वी हिंदी लोकगीतों का एक विशेष प्रकार जिसमें निर्गुण ब्रह्म की उपासना करने वाले संतों का चिंतन अभिव्यक्त हुआ है।

निर्ग्रन्थ पुं. (तत्.) धार्मिक ग्रंथ को अनुसरण न करने वाला।

निर्घात पुं. (तत्.) 1. वायु का आकस्मिक रूप से तेज होना, वातावर्त, बवंडर 2. बिजली की कड़कड़ाहट 3. विनाश 4. आघात।

निर्घिन वि. (तद्.) 1. जिसे घृणा न हो 2. जिसे बुरे काम से घृणा न हो 3. निम्न कोटि का, अधम 4. निंद्य 5. बेहया।

निर्घृण वि. (तत्.) दे. निर्घिन।

निर्घोष पुं. (तत्.) 1. तीव्र ध्वनि 2. भयंकर कोलाहल वि. शब्द रहित।

निर्घोषीकरण पुं. (तत्.) घोष वर्ण का अघोष उच्चारण।

निर्जन वि. (तत्.) 1. मनुष्यविहीन (स्थान) एकांत, सुनसान 2. उजड़ा हुआ (स्थान) जहाँ कोई निवास न करता हो, आबादी-रहित स्थान पुं. एकांत स्थान 2. मरुस्थल।

निर्जनता स्त्री. (तत्.) 1. सुनसानपन 2. मनुष्यों के विनाश अथवा निष्कासन से निवासियों की संख्या में कमी।

निर्जनीकरण पुं. (तत्.) समा. जनसंख्या को कम करना, विनाश अथवा निष्कासन द्वारा लोगों की संख्या को कम करना।

निर्जर वि. (तत्.) 1 कभी भी वृद्ध न होने वाला सदा युवा रहने वाला पुं. 1. देवता 2. अमृत।

निर्जर पंचमी स्त्री. (तत्.) आषाढ़ कृष्ण पंचमी से कार्तिक शुक्ल पंचमी तक निर्जल रहकर उपवास करने का एक जैन-व्रत।

निर्जरा स्त्री. (तत्.) 1. साधना द्वारा पूर्वकृत कर्मों का क्षय 2. एक प्रकार की जड़ी-बूटी, गुडुची, गिलोय, अमृता।

निर्जल वि. (तत्.) बिना जल के, जल रहित पदार्थ. जिसमें से पूरा जल निकाल दिया गया हो, जिसमें से जल की लेश मात्राएँ तक निकाल दी गई हों पर्या. निर्जलीय। anhydrous

निर्जला एकादशी स्त्री. (तत्.) ज्येष्ठ मास में शुक्लपक्ष की एकादशी (ग्यारहवीं) तिथि का उपवास जिसमें जल पीना भी निषिद्ध है।

निर्जलीकरण पुं. (तत्.) रसा. किसी पदार्थ से उसका जलीय अंश निकाल कर उसे जल-रहित कर देना कृषि. भंडारण-क्षमता बढ़ाने के लिए खाद्य पदार्थों में से अनावश्यक जलीय अंश